सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 315 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 26 दिसम्बर, 2022

मूल्य ₹ 3/-

औरत ही एक मात्र प्राणी है जिससे मैं ये जानते हुए भी की वो मुझे चोट नहीं पहुंचाएगी, डरता हूँ ।
-अब्राहम लिंकन

वित्त मंत्री निर्मला... 8 | यूपी में तीन जिलों को कवर करेगी... 3 | हिमाचल में जीत के लिए चपरासी... 7

कर्नाटक सीमा विवाद पर महाराष्ट्र का सियासी पारा चढ़ा

शिंदे-फडणवीस में पड़ी फूट ठाकरे बोले- भाषा या सीमा नहीं मानवता का सवाल

» पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने शिंदे सरकार को घेरा

» कहा- एससी में मामला लंबित रहने तक क्षेत्र को केंद्र शासित घोषित किया जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र व कर्नाटक के बीच सीमा विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। इस मुद्दे पर राज्य में साझा सरकार चला रहे सीएम एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम देवेन्द्र फडणवीस में भी सहमति नहीं बन पा रही है। दोनों नेताओं के बीच वैचारिक मतभेद पहले ही सामने आ चुके है और इस मुद्दे के तूल पकड़ने के बाद फिर से दोनों में फूट दिखाई पड़ रही है।

विपक्ष के नेताओं ने आज नागपुर में विधान भवन के बाहर इसे लेकर प्रदर्शन किया। वहीं, सदन में इस बारे में लाए जा रहे प्रस्ताव पर विपक्ष के नेता व पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने कड़ा रुख अपनाया। ठाकरे ने सीएम एकनाथ शिंदे पर आरोप लगाया कि वे सीमा विवाद पर मौन है, जबकि कर्नाटक के सीएम मुखर हैं। उन्होंने कहा है कि सीमा विवाद को लेकर सुप्रीम कोर्ट का फैसला होने तक कर्नाटक के बेलगावी, कारवार व निप्पानी को केंद्र शासित प्रदेश घोषित किया जाए। विधान सभा में पारित होने वाले प्रस्ताव में इस मांग को शामिल किया जाए।

हम एक-एक इंच जमीन के लिए लड़ेंगे : फडणवीस

ठाकरे के जवाब में डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र की एक-एक इंच जमीन के लिए लड़ेंगे। महाराष्ट्र चुप नहीं बैठेगा। किसी भी हालत में हम महाराष्ट्र के सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों को अकेला नहीं छोड़ेंगे। हम एक-एक इंच जमीन के लिए लड़ेंगे, भले सुप्रीम कोर्ट हो या केंद्र सरकार। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती लोगों के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। हम प्रस्ताव लाएंगे। महाराष्ट्र चुप नहीं बैठेगा। इससे पहले महाराष्ट्र के विपक्षी दलों के नेताओं ने सीएम एकनाथ शिंदे, राज्य सरकार और कर्नाटक सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। विपक्षी नेता हाथों में तख्तियां लिए हुए थे। इसमें महाराष्ट्र सरकार से मांग की गई है कि या तो वह सीमा विवाद सुलझाए या कुर्सी खाली करें।

पीओके के बाद अब देश में केओएम आया चर्चा में

उद्धव ठाकरे ने 'कर्नाटक के कब्जे वाले महाराष्ट्र' शब्द का जिक्र कर सीमा विवाद हल होने तक इन क्षेत्रों को केंद्र शासित प्रदेश घोषित करने की मांग की। बता दें, आमतौर पर पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर यानी 'पीओके' ही चर्चा में रहता है। लेकिन अब 'केओएम' नाम भी चर्चा में आ गया है। महाराष्ट्र के उच्च सदन विधान परिषद में ठाकरे ने सीमा विवाद उठाते हुए कहा कि यह मात्र भाषा या सीमा का विवाद नहीं है, बल्कि मानवता का सवाल है। पीढ़ियों से मराठी भाषी सीमावर्ती गांवों में रह रहे हैं। उनकी भाषा, जीवन शैली मराठी है। सुप्रीम कोर्ट में केस लंबित रहने तक इस इलाके को केंद्र शासित घोषित किया जाए।

65 साल से लंबित है विवाद

दोनों राज्यों के बीच सीमा का मुद्दा 1957 में भाषाई आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के बाद से लंबित है। महाराष्ट्र ने बेलगावी पर दावा किया है, जो तत्कालीन बॉम्बे प्रेसीडेंसी का हिस्सा था। इसमें मराठी भाषी आबादी का एक बड़ा हिस्सा है। महाराष्ट्र ने 800 से अधिक मराठी भाषी गांवों पर भी दावा किया है, जो वर्तमान में कर्नाटक का हिस्सा हैं। उधर, कर्नाटक राज्य पुनर्गठन अधिनियम और 1967 महाजन आयोग की रिपोर्ट के अनुसार भाषाई आधार पर किए गए सीमांकन को अंतिम मानता है।

बेलगावी सहित 814 गांवों की है महाराष्ट्र की मांग

आजादी से पहले महाराष्ट्र को बंबई रियासत के नाम से जाना जाता था। आज के समय के कर्नाटक के विजयपुरा, बेलगावी, धारवाड़ और उत्तर कन्नड़ पहले बंबई रियासत का हिस्सा थे। आजादी के बाद जब राज्यों के पुनर्गठन का काम चल रहा था, तब बेलगावी नगर पालिका ने मांग की थी कि उसे प्रस्तावित महाराष्ट्र में शामिल किया जाए, क्योंकि यहां मराठी भाषी ज्यादा है। 1956 में जब भाषाई आधार पर राज्यों के पुनर्गठन का काम चल रहा था, तब महाराष्ट्र के कुछ नेताओं ने बेलगावी (पहले बेलगाम), निप्पणी, कारावार, खानापुर और नंदगाड को महाराष्ट्र का हिस्सा बनाने की मांग की। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज मेहर चंद महाजन की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन हुआ। इस आयोग ने 1967 में अपनी रिपोर्ट में निप्पणी, खानापुर और नांदगाड सहित 262 गांव महाराष्ट्र को देने का सुझाव दिया।

2004 में सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला

18 साल पहले 2004 में महाराष्ट्र सरकार इस सीमा विवाद को सुप्रीम कोर्ट लेकर गई थी। महाराष्ट्र सरकार ने 814 गांवों उसे सौंपने की मांग की थी। 2006 में सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया कि इस मसले को आपसी बातचीत से हल किया जाना चाहिए। साथ ही ये भी सुझाव दिया था कि भाषाई आधार पर जोर नहीं देना चाहिए, क्योंकि इससे परेशानी और बढ़ सकती है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में 30 नवंबर को सुनवाई हुई थी।

भाजपा न सिखाए कैसे करना है भगवा का सम्मान : संजय

» महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे से भटका रही है मोदी-योगी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुरादाबाद। मुरादाबाद में आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी एवं सांसद संजय सिंह ने कहा कि लोगों को मुद्दों से भटकाने के लिए भाजपा कभी फिल्म में भगवा वस्त्र के सम्मान का सवाल उठा रही है, तो कभी चीनी घुसपैठ का। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता स्वामी चिन्मयानंद भगवा पहन कर घूमते थे।

उनका एक वीडियो सामने आया था, जिसका सभी को पता है। भगवा का सम्मान कैसे करना है यह हर हिंदू को पता है। ये कम से कम भाजपाइयों से नहीं सीखना है।

संजय सिंह यहां दुर्गेश नगर स्थित एक बरात घर में कार्यकर्ताओं की सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश में बेरोजगारी, महंगाई का मुद्दा है। बड़े-बड़े पूंजीपतियों द्वारा बैंकों की लूट का है। उन मुद्दों से देश के लोगों का ध्यान भटकाने के लिए भाजपा यह सवाल उठा रही है। उन्होंने कहा कि मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ समेत कई शहरों के छोटे व्यापारियों के यहां छापे मारे जा रहे हैं। लेकिन देश के पूंजीपतियों का 11 लाख करोड़ रुपये सरकार ने माफ कर दिया। जबकि किसी साधारण व्यक्ति पर बैंक का दस-पांच लाख रुपये बाकी हो तो सरकार नोटिस चस्पा करवा देती है। यह सच आम आदमी पार्टी देश के लोगों को बताएगी।

भारत की संपत्ति बेच रही भाजपा

संजय सिंह ने कहा कि अडानी की संपत्ति 2014 में 37 हजार करोड़ थी, जो 2022 में बढ़ कर साढ़े तेरह लाख करोड़ हो गई। एक आदमी को अमीर बनाने के लिए पूरे देश को गिरवी रखा जा रहा है। रेल बेचते हैं, प्लेन बेचते हैं। भाजपा एक ओर भारत माता की जय का नारा लगवाती है, तो दूसरी ओर भारत की संपत्ति बेचती है। उन्होंने कहा कि हाथ में तिरंगा लेकर अरविंद केजरीवाल ने लोगों से भारत माता की जय का नारा लगवाया तो दिल्ली के लोगों के बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य निशुल्क किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार है। लोगों से आह्वान किया कि लोग वहां जाकर सरकार का कार्य देखें। अस्पतालों में 200 तरह की जांच मुफ्त होती है। अल्ट्रासाउंड फ्री होता है। पंजाब में 90 फीसदी लोगों का बिल जीरो आया है। उन्होंने कहा कि मोदी और अमित शाह के गुजरात में भी पार्टी के पांच विधायक चुने गए हैं। वहां पार्टी को इतना वोट मिला जिसकी बदौलत दस साल में आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल हो गया।

हमारे ऊपर नहीं लागू होती कोरोना गाइडलाइंस : टिकैत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

करनाल। संयुक्त किसान मोर्चा 26 जनवरी को हरियाणा के जींद में एक किसान महापंचायत का आयोजन करने जा रहा है। एसकेएम नेताओं ने करनाल में हुई एक बैठक के दौरान यह फैसला लिया। इस दौरान किसान नेताओं ने यह भी फैसला लिया कि किसान 26 जनवरी को देशभर में अलग-अलग जगहों पर प्रदर्शन करेंगे। इस बैठक में राकेश टिकैत, दर्शन पाल और जोगिंदर सिंह उगराहां समेत कई किसान नेता शामिल हुए।

किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि हमारे ऊपर कोरोना की गाइडलाइंस लागू नहीं होती। पहले भी आंदोलन हुआ और आगे भी होगा। उन्होंने बताया कि 26 जनवरी को हरियाणा के जींद में किसानों ने बड़ी रैली करने का निर्णय लिया है। इस रैली में हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश तक के किसान शामिल होंगे। वहीं बाकी राज्यों के प्रत्येक जिले में ट्रैक्टर मार्च निकाला जाएगा। वहीं किसान नेताओं ने बताया कि 26 जनवरी की रैली के बाद मार्च में किसान दिल्ली में भी बड़ी बैठक करेंगे। बैठक कब होगी, अभी इसकी तारीख घोषित नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन के दौरान देशभर में किसानों पर जो मुकदमे दर्ज हुए हैं, उनको लेकर सरकार कह रही है कि उन्होंने केस वापस ले लिए हैं, लेकिन अब तक थानों में मुकदमे दर्ज हैं, वह रद्द नहीं किए गए हैं।

एमपी की सभी विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी सपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। उत्तर प्रदेश की प्रमुख विपक्षी दल समाजवादी पार्टी अब भारतीय जनता पार्टी को मध्य प्रदेश में भी चुनौती देने की तैयारी में है। गुजरात में एक सीट पर मिली जीत के बाद समाजवादी पार्टी मध्य प्रदेश में भी अपना विस्तार करेगी। पार्टी ने मध्य प्रदेश की सभी सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है।

मध्य प्रदेश में 2023 में विधानसभा चुनाव होने हैं। मध्य प्रदेश सपा के प्रदेश अध्यक्ष रामायण पटेल ने कहा कि पार्टी सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि सपा पूरी मजबूती से वहां तीसरा विकल्प बनकर भाजपा की नफरत की राजनीति खत्म करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा भाईचारा खत्म कर रही है। 2003 में सपा को मध्य प्रदेश में सबसे बड़ी सफलता मिली थी। तब पार्टी 161 सीटों पर चुनाव लड़ी थी, इसमें सपा को 7 सीटों पर जीत मिली थी। 2008 में सपा को एक सीट पर जीत मिली थी। 2018 में एक सीट पर सपा प्रत्याशी ने जीत हासिल की थी। पार्टी ने अब कहा है कि आगामी राज्य चुनावों के लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है।

राहुल को पाकिस्तान या बांग्लादेश से शुरू करनी चाहिए थी यात्रा: भूपेंद्र चौधरी

» भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा- नेहरू ने किया भारत को तोड़ने का काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बुलंदशहर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा पर तंज कसते हुए आरोप लगाया कि भारत 'तोड़ने' का काम राहुल गांधी के पड़दादा (जवाहर लाल नेहरू) के समय में हुआ था। सिंह ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर वह 'अखंड भारत' की बात करते हैं तो उन्हें अपनी यात्रा बांग्लादेश और पाकिस्तान से शुरू करनी चाहिए थी।

चौधरी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर आयोजित 'सुशासन दिवस' कार्यक्रम में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा पर सवाल उठाये। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जिस भारत जोड़ने या तोड़ने की यात्रा कर रहे हैं, उस भारत का विभाजन 1947 के बाद तो कभी हुआ ही नहीं। भारत टूटने का काम उनके पड़दादा के समय हुआ था, जब पाकिस्तान बना और उसके बाद बांग्लादेश बना। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राहुल गांधी अगर अखंड भारत की बात करते हैं, तो उन्हें अपनी यात्रा ढाका से, इस्लामाबाद से, पेशावर से, रावलपिंडी से और कराची से शुरू करनी चाहिए थी। भाजपा और आरएसएस पर समाज में नफरत फैलाने के राहुल गांधी के आरोप के बारे में पूछे जाने पर चौधरी ने दावा किया कि इस देश में राहुल गांधी को कोई भी गंभीरता से नहीं लेता है।

धर्मांतरण के संबंध में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती के ट्वीट के बारे में चौधरी ने कहा कि अब उन्होंने (मायावती) किस परिप्रेक्ष्य में यह बात कही है, यह तो पता नहीं, लेकिन धर्मांतरण के लिए हमारे देश में कानून है और कानून के अनुसार ही व्यवस्था आगे बढ़ेगी।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

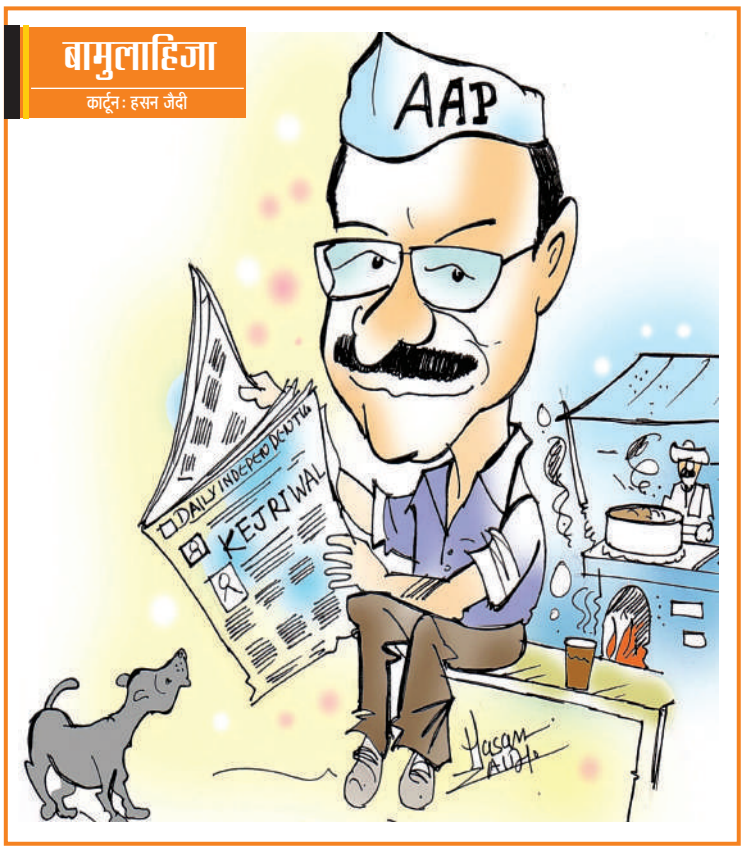

भारतीय संस्कृति और सभ्यता की रक्षा करना युवाओं की जिम्मेदारी : ब्रजेश पाठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देवरिया। देवरिया पहुंचे उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि भारतीय संस्कृति, सभ्यता व मर्यादा की रक्षा करने की जिम्मेदारी युवाओं पर है। अपने मिशन पर चलकर भविष्य का संवारने का कार्य करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में पूरा देश आगे बढ़ रहा है। टुकड़े-टुकड़े गैंग को भारत वर्ष से बाहर करने के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े युवा ही सबसे योग्य हैं। इसके लिए संगठन को मजबूत करना और सदस्यता बढ़ाना ही होगा, तभी यह कार्य संभव होंगे।

डिप्टी सीएम रविवार को सेंट्रल एकेडमी सोंदा में आयोजित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद गोरक्ष प्रांत के 62वें प्रांतीय अधिवेशन के उद्घाटन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। वंदे मातरम और भारत माता की जयघोष के बीच युवाओं ने कायक्रम में उनका स्वागत किया। उपमुख्यमंत्री ने अपने युवावस्था एवं विश्वविद्यालयी पढ़ाई की चर्चा करते हुए आगे कहा कि छात्र राजनीति अब पहले की तरह नहीं रह गई है।

यूपी में तीन जिलों को कवर करेगी भारत जोड़ो यात्रा पर बड़ा संदेश देने की तैयारी

» विचारधारा, पार्टी और जातिगत बंधनों से ऊपर उठाने की पहल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 108 दिनों में 9 राज्यों से होते हुए तीन हजार किलोमीटर का लंबा रास्ता तय करके कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' अब देश की राजधानी दिल्ली में है। यात्रा के दिल्ली आने पर सियासत भी तेज हो गई है। दिल्ली के बाद अब इस यात्रा का अगला पड़ाव देश का सबसे बड़ा और प्रमुख राज्य उत्तर प्रदेश होगा। यूपी में राहुल की यात्रा नए साल में 3 जनवरी को प्रवेश करेगी। दक्षिण के राज्यों और राजस्थान में एक लंबा समय बिताने वाली भारत जोड़ो यात्रा 75 जिलों वाले उत्तर प्रदेश में सिर्फ 4 दिनों में 3 जिलों से ही होते हुए 110 किलोमीटर का ही सफर तय करेगी।

प्रदेश में पूरी यात्रा के दौरान राहुल के साथ पार्टी महासचिव और प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी भी मौजूद रहेंगी। जिन तीन जिलों से यात्रा गुजरेगी उनमें गाजियाबाद, बागपत और शामली के नाम शामिल हैं। 2024 लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखकर की जा रही इस यात्रा के देश के सबसे प्रमुख और बड़े राज्य में सिर्फ 4 दिन और तीन जिलों में ही सिमटने को लेकर भी कई तरह के सवाल लोगों के जेहन में आ रहे हैं। आखिर क्या वजह है कि कांग्रेस उत्तर प्रदेश में इतना कम समय बिता रही है। क्या कांग्रेस 2024 में सत्ता पाने के लिए यूपी को जरूरी नहीं समझती या फिर उसने यूपी को अन्य दलों के लिए पूरी तरह से छोड़ दिया है। हालांकि, कांग्रेस की तरफ से यह लगातार कहा जा रहा है कि इस यात्रा का उद्देश्य चुनावी नहीं है।

हालांकि, सिर्फ चार दिनों तक प्रदेश में रहने वाली यात्रा के जरिए राहुल गांधी व कांग्रेस उत्तर प्रदेश में इस यात्रा को लेकर खास रणनीति बना रहे हैं। इस पूरी यात्रा के दौरान राहुल भाईचारे और मोहब्बत की बात को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। उत्तर प्रदेश में भी राहुल अपनी इस मुहिम के तहत आगे बढ़ने की रणनीति तैयार कर रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए यात्रा में अन्य दलों के नेताओं को भी आमंत्रण देने पर विचार किया जा रहा है। इसके अलावा राहुल अपनी इस यात्रा के जरिए प्रदेश में जातीय समीकरण भी साधने का प्रयास करने की सोच रहे हैं।

विपक्षी दलों के नेताओं को आमंत्रण

यूपी में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के लिए विपक्षी नेताओं से अपील की गई है। इसी क्रम में सपा प्रमुख अखिलेश यादव, बसपा अध्यक्ष मायावती, आरएलडी के प्रमुख जयंत चौधरी, सुभासपा के चीफ ओम प्रकाश राजभर और आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद सहित तमाम विपक्षी दलों के नेताओं को यात्रा में शिरकत करने के लिए निमंत्रण पत्र भेजा जाएगा। सलमान खुर्शीद ने सुभासपा के नेता ओम प्रकाश राजभर को फोन करके भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने की अपील की। इस पर राजभर ने विचार करके बताने की बात का आश्वासन दिया।

भारत जोड़ो यात्रा के यूपी आगमन पर उसके कुशल संचालन के लिए बनी पार्टी की समन्वय समिति की बैठक दिल्ली में की गई। इस बैठक में समन्वय समिति के प्रमुख सलमान खुर्शीद की अगुवाई में यात्रा को लेकर कार्ययोजना और रूपरेखा बनाई गई। उत्तर प्रदेश के जिला गाजियाबाद के लोनी बॉर्डर से भारत जोड़ो यात्रा एंट्री करने के बाद चार जनवरी को बागपत, पांच जनवरी को शामली और छह जनवरी को कैराना से होकर हरियाणा के सोनीपत जिले में प्रवेश में कर जाएगी। प्रदेश के 75 में से सिर्फ तीन जिलों में यात्रा के गुजरने के बावजूद कांग्रेस और राहुल गांधी यहां पर जातीय समीकरण को साधने का पूरा प्रयास करेंगे, साथ ही राजनीतिक विचारधारा से ऊपर उठकर अन्य दलों को भी आमंत्रण देकर एक अलग संदेश देने का प्रयास रहेगा।

भावनात्मक जोड़ बढ़ाने पर फोकस

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कांग्रेस उत्तर प्रदेश में राजनीतिक समीकरण साधने पर भी विचार कर रही है। इसके पीछे पार्टी का मकसद 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रदेश में अपनी स्थिति को मजबूत करना होगा। इसी कड़ी में अतिपिछड़े वर्ग के अलग-अलग जाति के नेताओं और संगठन के लोग राहुल गांधी की साथ पदयात्रा में शिरकत करेंगे। इसको लेकर अतिपिछड़ी जातियों के जितने भी संगठन के नेता हैं, उन्हें भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के लिए निमंत्रण भेज दिया गया है। राजभर, पाल, कुशवाहा, नाई, बंजारा, कुर्मी, मल्लाह, कश्यप, सैनी, शाक्य, चौहान सहित अतिपिछड़ी जाति के नेता राहुल गांधी के संग पहली कतार में चलेंगे। यात्रा में दलित और अदिवासी समुदाय के लोग भी राहुल के साथ पदयात्रा करेंगे। इसके अलावा सिविल सोसायटी और सामाजिक संगठन से जुड़े हुए लोग भी शिरकत करेंगे तो साहित्यकार और बुद्धजीवियों भी शामिल होंगे। इसके अलावा यात्रा में खेतिहर मजदूर और अलग-अलग लघु उद्योग में जुटे कारीगरों के भी शामिल होने की उम्मीद है। अलीगढ़ के ताला उद्योग से जुड़े कारीगर, फिरोजाबाद के चूड़ी कारीगर, लोहे के काम कर रहे कारीगर, लखनऊ में चिकन के काम जुड़े कारीगर, बुनकर और कालीन कारोबार से जुड़े कारीगर पदयात्रा करेंगे और इस दौरान राहुल गांधी के साथ अपनी समस्याएं भी रखेंगे। किसान संगठन से जुड़े हुए लोग भी राहुल गांधी के साथ भारत जोड़ा यात्रा में पैदल चलेंगे। उत्तर प्रदेश में राहुल के साथ 11 हजार राज्ययात्री चार दिनों तक भारत जोड़ो यात्रा में पदयात्रा करेंगे। इसके अलावा यूपी से हरियाणा सीमा में प्रवेश करने से पहले राहुल की रैली में एक लाख लोगों का टारगेट रखा गया है। भारत जोड़ो यात्रा के लिए उत्तर प्रदेश में पांच लाख लोगों को निमंत्रण पत्र भेजा जा रहा है। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष को निमंत्रण पत्र दे दिया गया है, जो अपने-अपने जिले में वितरित करेंगे।

समाजवादी पार्टी के एम-वाई के सामने भाजपा का 'एम-वाई' फैक्टर बड़ी चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव को लेकर हर राजनीतिक पार्टी अपनी-अपनी रणनीति को तैयार करने में जुट गई है। इस निकाय चुनाव को 2024 के लोकसभा चुनावों से भी जोड़ कर देखा जा रहा है। इस बार के निकाय चुनाव में प्रमुख मुकाबला समाजवादी पार्टी और भाजपा के बीच होता दिख रहा है।

एक ओर समाजवादी पार्टी अपने पुराने एम-वाई (मुस्लिम-यादव) समीकरण को साधने का प्रयास कर रही है, तो वहीं दूसरी ओर भाजपा भी अपने नए एम-वाई फैक्टर यानी कि मोदी-योगी के फैक्टर के साथ सपा को कड़ी चुनौती पेश करने के लिए कमर कस रही है। जबसे भाजपा का ये एम-वाई फैक्टर बना है तबसे सपा के लिए प्रदेश में चुनौतियां काफी बढ़ गई हैं। भाजपा के इस एम-वाई फैक्टर का असर 2019 के लोकसभा चुनाव और 2022 के विधानसभा चुनावों में भी देखने को मिला। इसके बाद रामपुर में भी लोकसभा और विधानसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी पर भाजपा का ये फैक्टर हावी रहा और उसने रामपुर जैसा अपना पुराना किला गंवा दिया। सपा शिवपाल सिंह यादव के साथ तालमेल के बाद अखिलेश यादव के नेतृत्व में 2024 के चुनावों में अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए काम कर रही है। अखिलेश ने कानपुर जेल में अपनी पार्टी के विधायक इरफान सोलंकी से मुलाकात की। वह झांसी जेल का दौरा भी करेंगे, जहां एक अन्य सपा विधायक दीपचंद यादव बंद हैं। परेशानी और विवाद में फंसे पार्टी नेताओं से मिलने का अखिलेश यादव का फैसला स्पष्ट रूप से पार्टी कार्यकर्ताओं को एक सकारात्मक संदेश देने के लिए बनाया गया है। शिवपाल यादव अपने संगठनात्मक कौशल और पार्टी कार्यकर्ताओं को लामबंद करने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं। सपा के पाले में उनकी वापसी से पार्टी के यादव वोट आधार में विभाजन को भी रोका जा सकेगा।

भाजपा का ये नया एम-वाई यानी मोदी-योगी फैक्टर सपा के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा है। 2017 का विधानसभा चुनाव पीएम मोदी के फेस पर लड़ने के बाद सीएम योगी के मुख्यमंत्री बनते ही प्रदेश की राजनीति में उनका कद बढ़ने लगा। इसके बाद देखते-देखते योगी की पूरे देश में सबसे बड़े हिंदू लीडर की बन गई। इसका असर 2019 के लोकसभा चुनाव में भी देखा गया, जहां भाजपा अपने इस नए एम-वाई फैक्टर के साथ ही उतरी थी। एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चेहरा था, तो दूसरी ओर उत्तर प्रदेश के तेज तर्रार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। भाजपा को अपने इस फैक्टर का फायदा भी मिला और प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में से भाजपा ने अकेले 62 सीटों पर कब्जा जमाया जबकि दो सीटें उसके सहयोगी दल अपना दल को मिलीं। जबकि अखिलेश के नेतृत्व वाली सपा अपनी चिर प्रतिद्वंदी बसपा के साथ मिलकर चुनाव में उतरी थी, तब भी सिर्फ 5 सीटों पर ही सिमट कर रह गई। इसके बाद 2022 के विधानसभा चुनाव में भी ये ही नजारा देखने को मिला। जहां सपा इस बार कई छोटे दलों के साथ मिलकर मैदान में उतरी थी, तो भाजपा के पास एक बार फिर अपना एम-वाई फैक्टर ही था। इसका फायदा भाजपा को मिला और प्रदेश का पांच साल में सरकार रिपीट का फॉर्मूला बदलकर फिर से सत्ता हासिल की। आगामी चुनाव में भी सपा के एम-वाई फैक्टर के सामने भाजपा का एम-वाई फैक्टर एक कड़ी चुनौती पेश कर सकता है।

फिर से पार्टी लाइन पर वापस आ रहे अखिलेश

शिवपाल यादव के साथ आने के बाद सपा अब एक बार फिर अपने पूरे कुनबे के साथ मैदान में उतरने को तैयार है। जिसका असर 2024 लोकसभा चुनाव में देखने को मिल सकता है। वहीं दूसरी ओर समाजवादी पार्टी भाजपा का मुकाबला करने के लिए फिर से अपने पुराने एम-वाई फैक्टर को 2024 में लागू करेगी और खुलकर मुस्लिमों का समर्थन करेगी। अखिलेश ने जब से पार्टी की कमान संभाली है, हिंदुत्व को बढ़ावा दे रहे हैं। मुस्लिम समर्थक छवि को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, अब चाचा शिवपाल के साथ आने के बाद अखिलेश के सुर फिरसे बदले हैं और वो फिरसे अपने पुरानी पार्टी लाइन पर चलने लगे हैं। अखिलेश अब मुसलमानों पर अत्याचार के खिलाफ बोल रहे हैं। उन्होंने महसूस किया है कि सपा को अपने दिवंगत पिता के मुस्लिम-यादव के जाति सूत्र का पालन करना चाहिए। उन्होंने जेल में इरफान सोलंकी से मुलाकात की, यह रणनीति का एक हिस्सा है। आने वाले दिनों में अखिलेश के सामने मुख्य चुनौती शिवपाल सिंह यादव के समर्थकों का %सम्मानजनक एकीकरण% है। अखिलेश यह सुनिश्चित करेंगे कि आम चुनाव के लिए टिकट वितरण में जीतने की क्षमता मुख्य कारक हो। हालांकि अखिलेश के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि भाजपा के पास एक संगठनात्मक मशीनरी है, जहां सपा का अभी तक कोई मुकाबला नहीं है।

शिवपाल की वापसी सपा को देगी संजीवनी?

शिवपाल यादव की सपा में वापसी पार्टी के लिए अमृत साबित होगी और उन दिग्गजों को भी प्रेरित करेगी, जो अखिलेश-शिवपाल के बीच दूरियां बढ़ने के बाद अपने खोल में सिमट गए थे। अखिलेश आम चुनाव के लिए राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के साथ अपनी दोस्ती को और मजबूत करने के अलावा नए सहयोगियों की ओर देख रहे हैं। वह आजाद समाज पार्टी (भीम आर्मी) जैसी छोटी पार्टियों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। सपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो उत्तर प्रदेश में भाजपा को चुनौती दे सकती है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में सपा ने अपना वोट प्रतिशत बढ़ाया और अपनी सीटों को दोगुना किया, यह इस बात का सबूत है कि अकेले सपा ही भाजपा को चुनौती दे सकती है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सरकारों की सावधानी पर सब निर्भर

सरकारी दावों के मुताबिक भारत में भले ही कोरोना संक्रमण की रफ्तार धीमी है, लेकिन जिस तरह टीवी चैनलों पर चाइना के हालात दिखाए जा रहे हैं उससे हमे सावधान रहने की सख्त जरूरत है। देश के हालात सुरक्षित रहें और इस महामारी से पूरी तरह आजादी मिले, हर कोई यह चाहता है। इसके लिए जरूरी है कि सरकार समय रहते आवश्यक कदम उठाएं ताकि कोरोना विषाणु का खतरा फिर से भारत पर न मंडराए। इसके प्रति सतर्कता के साथ उठाए गए ठोस सरकारी कदम ही जनता को राहत देंगे। ऐसे में विदेशों से आने वालों की कड़ी निगरानी ही बचाव का रास्ता है, ताकि देश से बाहर फैला संक्रमण यहां न आ सके। चीन से अभी जैसी खबरें आ रही हैं, वे चिंता पैदा करने वाली हैं। वहां अचानक एक बार फिर संक्रमण बढ़ा बताया जा रहा है और इससे वहां का जन-जीवन प्रभावित हो रहा है। इसके मद्देनजर भारत में समय रहते कोरोना संक्रमण से बचाव की तैयारी केंद्र से लेकर राज्य सरकारों तक को करनी होगी। दरअसल, चीन, अमेरिका और कुछ अन्य देशों में पिछले कुछ दिनों से कोरोना के एक नए रूप ओमिक्रॉन बीएफ.7 के संक्रमण के मामले सामने आने बताया जा रहा है, उससे सभी का चिंतित होना लाजिमी है। करीब तीन साल पहले जब पहली बार चीन के वुहान से कोरोना विषाणु के संक्रमण और उसके जानलेवा खतरों की खबरें आई थीं, तब दूसरे देशों को लगा था कि संभवत: इसका असर चीन तक ही सीमित रहेगा। मगर कुछ ही महीनों के भीतर दुनिया भर में यह विषाणु जिस तरह फैला और इसकी जद में आने वाले लाखों लोगों को असमय ही अपनी जान गंवानी पड़ी, उसकी याद आज भी हर व्यक्ति को दहला देती है।

इस जानलेवा विषाणु की मार के कई गंभीर दौर आए और उसके बाद भी इसका असर अब तक पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। जाहिर है, एक बार फिर चीन और अन्य कुछ देशों से इस विषाणु के नए रूप के फैलने की खबरों के बाद हर तरफ चिंता बढ़ने लगी है। इसलिए सरकारों का समय रहते उचित कदम उठना वक्त का तकाजा है। देश में अब कोरोना का जोर कमजोर है। लेकिन सरकारों को समय रहते सतर्कता के साथ विलायती बाबुओं की निगरानी करनी होगी, अगर इसमें जरा भी चूक हो गई तो वह देश के हित में नहीं होगा। इसलिए बचाव को विदेशियों पर फोकस करना ही होगा। कोरोना के नए रूप के पांव जमने से पहले ही उससे बचाव की दीवार देश में खड़ी करनी होगी। ताकि अतीत में हुए व्यापक जानमाल के नुकसान से मुल्क को फिर न गुजरना पड़े। अगर कोरोना का हमला फिर देश में होता है तो इसके लिए जनता नहीं सरकारों की नीति पर सवाल खड़ा होगा।

करीब तीन साल पहले जब पहली बार चीन के वुहान से कोरोना विषाणु के संक्रमण और उसके जानलेवा खतरों की खबरें आई थीं, तब दूसरे देशों को लगा था कि संभवत: इसका असर चीन तक ही सीमित रहेगा। मगर कुछ ही महीनों के भीतर दुनिया भर में यह विषाणु जिस तरह फैला और इसकी जद में आने वाले लाखों लोगों को असमय ही अपनी जान गंवानी पड़ी, उसकी याद आज भी हर व्यक्ति को दहला देती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बंटी कांग्रेस को जोड़ गयी राहुल की यात्रा

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान में अपनी पद यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने पार्टी को एकजुट करने का बड़ा काम कर दिया है। उसके बाद अब राजस्थान के नेताओं को भी एकजुट होकर जनता के बीच जाना चाहिए और लोगों को पार्टी में ऑल इज वेल का संदेश देना चाहिए। राहुल गांधी की इस पदयात्रा से राजस्थान में कई गुटों में बंटी कांग्रेस जहां एकजुट हुई है वहीं संगठन की दृष्टि से भी मजबूत हुई है। एक तरह से कहा जाए तो राजस्थान कांग्रेस के लिए यह पदयात्रा संजीवनी साबित हुयी। राजस्थान विधानसभा के अगले चुनाव में एक वर्ष से भी कम समय रह गया है।

प्रदेश में सत्तारुढ़ कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी माहौल बना हुआ था। जिसे राहुल गांधी की पदयात्रा ने काफी हद तक कम करने का काम किया है। अब लगने लगा है कि अगले विधानसभा चुनाव में भाजपा को चुनावी मुकाबले में कांग्रेस से कड़ा संघर्ष करना पड़ेगा। चार दिसंबर को राहुल गांधी की भारत जोड़ो पदयात्रा ने राजस्थान के झालावाड़ जिले से प्रदेश में प्रवेश किया था। झालावाड़ जिला पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का गढ़ रहा है। झालावाड़ से अभी वसुंधरा के पुत्र दुष्यंत सिंह सांसद हैं। जिले की चारों सीटों पर भाजपा का कब्जा है। लंबे समय से कांग्रेस झालावाड़ जिले में प्रभाव जमाने में नाकामयाब रही है। लेकिन राहुल गांधी की पदयात्रा को वसुंधरा राजे के प्रभाव वाले इलाके में जो जनसमर्थन मिला, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि अगले विधानसभा चुनाव में यहां कांग्रेस पहले से अधिक मजबूत होकर उभरेगी। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के रूट को कुछ इस ढंग से बनाया गया था जिससे भाजपा के बड़े नेताओं के प्रभाव वाले क्षेत्रों से होकर पदयात्रा गुजरे ताकि वहां कांग्रेस की जमीन मजबूत हो सके। राजस्थान में राहुल गांधी की पदयात्रा झालावाड़, कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर, टोंक, दौसा, अलवर जिलों से होकर गुजरी।

अपनी यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने जहां सीधे आम लोगों से संवाद स्थापित किया। वहीं कई मौकों पर निर्धारित कार्यक्रम से अलग हटकर लोगों से मिलते नजर आए। पदयात्रा के दौरान हजारों की संख्या में लोग बड़े उत्साह के साथ शामिल होते रहे हैं। पदयात्रा में सबसे अधिक क्रेज युवा वर्ग में देखने को मिला। पूरे रास्ते युवक राहुल गांधी की यात्रा में शामिल होते रहे। राहुल गांधी ने भी युवाओं के साथ बातचीत करने व सेल्फी लेने में जरा भी कंजूसी नहीं बरती। वह हर जगह

लोगों से खुल कर मिलते रहे। कई स्थानों पर तो वह लोगों के साथ बैठकर नुक्कड़ की दुकानों पर चाय पीते नजर आए तो कहीं खेतों में महिलाओं संग चारा काटने लगे। इस पदयात्रा से आमजन में कांग्रेस के प्रति एक सकारात्मक माहौल बना है। जिसका लाभ निश्चय ही आने वाले चुनाव में कांग्रेस को मिलेगा। राहुल गांधी की राजस्थान यात्रा के चलते कांग्रेस में चल रहे आपसी झगड़ों पर भी विराम लगा है। 25 सितंबर की घटना के बाद राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के गुट के नेता एक दूसरे के खिलाफ खुलकर बयानबाजी कर रहे थे जिससे कांग्रेस की छवि लगातार खराब हो रही थी। मगर राहुल गांधी की पदयात्रा के कारण दोनों ही गुटों के नेता पूरी ताकत के साथ पदयात्रा को सफल बनाने में जुट गए। जिसके चलते जहां आपसी बयानबाजी पर तो रोक लगी ही साथ ही पार्टी में गुटबाजी भी कम हुई है। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कई दिनों तक राजस्थान में रहने के कारण राहुल गांधी ने राजस्थान के अधिकांश नेताओं से व्यक्तिगत बातचीत कर फीडबैक लिया है। जिससे उनको राजस्थान की वास्तविक स्थिति का भी ज्ञान हो गया है। राजस्थान कांग्रेस को एकजुट करने का जो काम कांग्रेस आलाकमान नहीं कर पा रहा था। वह काम राहुल गांधी की पदयात्रा से अपने आप ही होता नजर आ रहा है। अपनी राजस्थान यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने कांग्रेस के सभी नेताओं को संदेश दिया है कि एकजुट होकर अगले विधानसभा चुनाव में उतरें और फिर से सरकार बनाएं। भारत जोड़ो यात्रा के 100 दिन पूरे होने पर राहुल गांधी ने जयपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि राजस्थान में चिरंजीवी योजना की लोग तारीफ कर रहे हैं। इसके अलावा शहरी मनरेगा योजना को भी शुरू किया गया है, उसके बारे में भी लोग अच्छी बातें कर रहे हैं।

हालांकि लोग कहते हैं कि यहां बिजली नहीं आ रही है या फ्लोराइड के पानी की शिकायतें आती हैं। लेकिन ऐसी छोटी मोटी शिकायतें तो हर जगह से आती रहती हैं। राहुल गांधी ने सचिन पायलट और अशोक गहलोत गुटों के बीच चल रही बयानबाजी को लेकर कहा कि कांग्रेस पार्टी के अंदर लोकतंत्र है। इसलिए अगर कोई अपनी बात रखना चाहता है तो कांग्रेस पार्टी में उसे दबाया नहीं जाता है। सभी लोग मिलकर काम करते हैं।

सावधान रहकर ही वायरस को हराया जा सकता है

ललित गर्ग

चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, ब्राजील, अमेरिका सहित कई देशों में कोरोना के नये वेरिएंट के मामलों और उससे हुई मौतों के मामलों में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। भारत में भी चीन में तबाही लाने वाले एवं भयंकर तबाही की आहट देने वाले बेरिएंट बीएफ.7 के 4 नये मामले मिले हैं, जो गहरी चिन्ता बढ़ा रहे हैं। सरकार सर्तक हो गयी है, आम जनता को भी सावधान रहना होगा। मास्क पहनने एवं बूस्टर डोज लगवाने के अभियान को गति देनी होगी। सार्वजनिक भीढ़ को कम करना होगा, सभाओं, त्यौहारों, राजनीतिक आयोजनों पर नियंत्रण करना होगा, स्कूलों को भी सावधान एवं चौकन्ना रहना होना होगा।

सब जानते हैं कि इस विषाणु और उसके संक्रमण से उपजी बीमारी की शुरुआत चीन से हुई थी और उसके बाद दुनिया का अनुभव बेहद त्रासद, डरावना एवं विस्फोटक रहा। यही वजह है कि अब एक बार फिर चीन में जब कोरोना संक्रमण से हालात बिगड़ने की खबरें आ रही हैं तब दुनिया के अनेक देशों के साथ-साथ भारत में भी चिंता की लहर दौड़ गई है। खबरों के मुताबिक चीन में स्थिति नियंत्रण से बाहर जा रही है और संक्रमितों के इलाज के लिए अस्पतालों में जगह नहीं मिल पा रही है। कोरोना की नयी लहर लाने वाले वाले वेरिएंट बीएफ-7 से जुड़ी खबरें एक बार फिर बड़े महासंकट का इशारा कर रही हैं। चीन एवं दुनिया के अन्य देशों में कोरोना के बढ़ते मामले चिंता में डालने लगे हैं, क्योंकि कोरोना की पूर्व लहरों में भारी जन-तबाही हुई है। अब इस नयी लहर को लेकर जैसे भयावह दृश्य चीन में बने हैं, वे भय, डर एवं आशंका का माहौल बना रहे हैं, भारत के लिये सुरक्षित जीवन के लिये बूस्टर डोज एक जरूरी एवं उपयोगी कदम है। पिछले लम्बे समय से कोरोना महामारी को लेकर राहत का माहौल हमने देखा था, उससे यह लगने लगा था कि अब शायद दुनिया पहले की तरह सामान्य स्थिति की ओर लौट रही है। लेकिन अब फिर चीन से जैसी खबरें आ रही हैं, वह एक तरह से सतर्क रहने की चेतावनी दे रही हैं, ताकि समय रहते कोरोना के फैलाव को रोका जा सके। भारत ने पूर्व में कोरोना महामारी को परास्त करने में जो उपक्रम किये, वैसे ही उपक्रम किये जाने की जरूरत है।

कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए भारत सरकार अगर सतर्क हुई है तो यह उसकी जनता के प्रति जागरूकता को दर्शाता है, जो आवश्यक भी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को एक बैठक करके हालात की समीक्षा की। उसके बाद नीति आयोग की तरफ से लोगों को भीड़भाढ़ वाली जगह में मास्क लगाने की सलाह दी गई। एयरपोर्ट पर विदेशी यात्रियों की रैंडम सैंपलिंग भी शुरू कर दी गई है। इससे पहले सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश दिया गया कि कोरोना के हर पॉजिटिव सैंपल को जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजा जाए। इससे इस बात पर नजर बनी रहेगी कि देश में इस वायरस का कोई नया वेरिएंट तो नहीं आ गया। ये सावधानियां किसी भयंकर विनाश से भारत की जनता को बचाने एवं सुरक्षित करने के लिये जरूरी हैं।

भारत में अभी बेवजह की चिन्ता एवं घबराने की कोई जरूरत नहीं है। एक तो यहां नए केसों की संख्या सबसे निचले स्तर पर है। दूसरे, देश में आबादी के बड़े हिस्से को टीका लग चुका है। साथ ही, यहां नैचरल इम्युनिटी भी विकसित हो चुकी है। दरअसल, भारत में कोरोना से बचाव के लिए जिस तरह व्यापक स्तर पर टीकाकरण कार्यक्रम चलाया गया और लोगों ने इस मसले पर जागरूकता दिखाई, वह यहां राहत का एक बड़ा कारण है। माना जा रहा है कि टीकाकरण के मामले में भारत को जैसी उपलब्धि मिली है, उसमें अब कोरोना के बहुरूपों के संक्रमण से लोग बचे रहेंगे। टीका बनाने वाली कंपनियों के साथ-साथ सरकार की ओर से भी इस बात का आश्वासन दिया गया था कि टीका कोरोना के खिलाफ एक सुरक्षा दीवार के तौर पर काम करेगा। इसके बावजूद विषाणुओं की प्रकृति को देखते हुए हर स्तर पर सजग रहने एवं बूस्टर डोज को प्राथमिकता देने की जरूरत है, अन्यथा इसकी मार से उपजी त्रासदी दुनिया देख चुकी है। कोरोना का अब तक का अनुभव बताता है कि इस वायरस को किसी भी सूरत में हलके में नहीं लेना चाहिए। यह एक बार फैल गया तो इस पर नियंत्रण आसान नहीं है। इसलिए सबसे अच्छा यही है कि जैसे भी हो इसे फैलने से ही रोका जाए। पहले दौर में जब वुहान से विषाणु के संक्रमण की खबरें आईं थी, तब शायद वक्त पर अपने-अपने देशों में सावधानी बरतने को लेकर उतनी जागरूकता नहीं आ पाई थी, नियंत्रण के साधन नहीं थे, आम जनता एवं सरकार तैयार भी नहीं थी। इसलिए उसका असर भी व्यापक हुआ और समूची दुनिया के देश इसकी चपेट में आए। भारत उससे सबसे ज्यादा बुरी तरह प्रभावित होने वाले देशों में से एक था। इसलिए स्वाभाविक ही इस बार चीन में कोरोना से स्थिति बिगड़ने की खबरें आने के साथ ही भारत में सावधानी बरतने को लेकर जरूरी कदम उठाए जाने लगे हैं। यह सरकार की सूझबूझ भी है और जागरूकता भी है। विदेशों में कोरोना के नए मामलों में हो रही अप्रत्याशित बढ़ोतरी सचमुच चिंताजनक है। खासकर चीन में तो भयावह हालात हैं। जिस व्यापक स्तर पर उसके फैलने एवं जिस बड़े पैमाने पर मौतों की आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं, वह भारत सहित समूची दुनिया को सतर्क एवं सावधान हो जाने की टंकार है। उसे समय पर गंभीरता से लेना महामारी के प्रकोप को कम करना ही माना जायेगा।

हार्ट अटैक के खतरे से बचाता है योग

पिछले कुछ वर्षों में हृदय रोग के बढ़ने मामलों ने चिंता बढ़ा दी है। कम उम्र के लोग हृदय के गंभीर रोगों के खतरे के बीच हैं। 40 वर्ष से कम आयु के लोगों के बीच हृदयाघात के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में देखा गया कि कम उम्र के ऐसे लोग जो जिम जाते हैं और फिटनेस पर ध्यान देते हैं, उन्हें दिल का दौरा पड़ा। ऐसे में लोग जिम जाने से भी डरने लगे हैं कि कहीं यह हृदय घात के खतरे की वजह तो नहीं। हालांकि हृदय रोग की समय पर पहचान करके और बचाव के उपायों को अपनाकर हृदय के जोखिम को कम किया जा सकता है। सबसे जरूरी है कि हृदय को स्वस्थ रखा जाए। इसके लिए दिनचर्या में पौष्टिक आहार को शामिल करें। स्वास्थ्य विशेषज्ञ नियमित योग-व्यायाम की आदत बनाने की भी सलाह देते हैं। योग हृदय की क्षमता को बढ़ाने में मदद करने के साथ ही अन्य रोगों के खतरे को भी कम करने में सहायक है।

मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिये लाभकारी है

धनुरासन

हृदय की सेहत के लिए धनुरासन का अभ्यास भी असरदार है। इससे हृदय की मांसपेशियां मजबूत बनती है, पूरे शरीर की स्ट्रेचिंग के साथ ही हृदय पर अतिरिक्त पड़ने वाला दबाव कम होता है। साथ ही रक्त संचार में सुधार और रक्त परिसंचरण बेहतर कार्य करना है। सभी उम्र के लोगों के लिए नियमित धनुरासन योग का अभ्यास लाभकारी है।

प्राणायाम

प्राणायाम का अभ्यास मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। हृदय रोग का मुख्य कारक उच्च रक्तचाप होता है, जिसे कम करने के लिए भी यह योगासन किया जा सकता है। प्राणायाम के अभ्यास से हृदय की मांसपेशियों को आराम मिलता है और रक्त संचार बेहतर होता है। वहीं हृदय पर बनने वाले किसी भी अतिरिक्त दबाव को प्राणायाम योगासन का अभ्यास कम कर सकता है। हृदय को स्वस्थ रखने के लिए प्राणायाम में भस्त्रिका, कपालभाति और अनुलोम-विलोम की आदत डालें।

वीरभद्रासन

वीरभद्रासन योग का अभ्यास कई बीमारियों में फायदेमंद है। शरीर के संतुलन में सुधार और सहनशक्ति को बढ़ाने के लिए इस आसन का नियमित अभ्यास करना चाहिए। वीरभद्रासन रक्त परिसंचरण में सुधार करता है और तनाव को कम करता है। हार्ट रेट को नियंत्रित करने के लिए वीरभद्रासन का अभ्यास कर सकते हैं। इसके अलावा इस आसन को करने से पूरा शरीर लचीला होता है और हृदय की क्षमता में सुधार व हृदय की मांसपेशियां स्वस्थ रहती हैं। एक्ट्रेस की तरह स्लिम बॉडी के लिए आप वीरभद्रासन का अभ्यास कर सकते हैं। शरीर को खोलने के लिए यह आसन अच्छा माना जाता है।

हंसना मना है

पति अपनी पत्नी से: मेरी शर्ट को उल्टी करके प्रेस करना। पत्नी: ठीक है कुछ देर बाद। पति: मेरी शर्ट को प्रेस कर दिया क्या, पत्नी: नहीं अभी नहीं पति: क्यों? पत्नी: अभी मुझे उल्टी ही नही आ रही तो उल्टी करके कैसे प्रेस करूं। पति बेहोश।

फादर: अगर इस बार तुम इम्तिहान में फैल हुए तो, मुझे पापा मत कहना। इम्तिहान के बाद, फादर: आपका रिजल्ट कैसा है? सन: दिमाग का दही मत कर बाबूलाल तु बाप कहलाने का हक खो चूका है।

एक सरकारी दफ्तर के बोर्ड पार लिखा था, कृपया शोर ना करे, किसी ने उसके नीचे लिख दिया, वरना हम जाग जायेंगे..

डॉक्टर ने आदमी से पुछा, क्या आप का और आपकी बीवी का खून एक ही है? आदमी ने कहा, क्यों नही? ज़रूर होगा! पचास साल से मेरा ही खून जो पी रही है।

थप्पड मारने पर नाराज वाईफ से हसबंड बोला: आदमी उसी को मारता है जिससे वो प्यार करता है। वाईफ ने हसबंड को 2 थप्पड मारे और बोली आप क्या समझते है मै आपसे प्यार नही करती।

कहानी | एक घमंडी हाथी और चींटी

किसी जंगल में एक हाथी रहता था। उसे अपने शरीर और अपनी ताकत का बहुत घमंड था। उसे रास्ते में जो भी जानवर मिलता, वो उसे परेशान करता और डरा कर भगा देता। एक दिन वह कहीं जा रहा था। रास्ते में उसने एक पेड़ पर एक तोते को बैठा देखा और उससे अपने सामने झुकने के लिए बोला। तोते ने झुकने से मना कर दिया, तो गुस्से में आकर हाथी ने वो पेड़ ही उखाड़ दिया, जिस पर तोता बैठा था। तोता उड़ गया और हाथी उसे देख कर हंसने लगा। फिर एक दिन हाथी नदी के किनारे पानी पीने के लिए गया। वहीं पर चींटियों का छोटा-सा घर था। एक चींटी बड़ी मेहनत से अपने लिए खाना इकट्ठा कर रही थी। यह देख हाथी ने पूछा कि तुम क्या कर रही हो, तो चींटी ने कहा कि बरसात का मौसम आने से पहले अपने लिए भोजन जमा कर रहीं हूं, ताकि बारिश का मौसम बिना किसी परेशानी से निकल जाए। यह सुन कर हाथी के मन में शरारत सूझी और उसने अपनी सूंड़ में पानी भर कर चींटी के ऊपर डाल दिया। पानी से चींटी का भोजन खराब हो गया। यह देखकर चींटी को बहुत गुस्सा आया और उसने घमंडी हाथी को सबक सिखाने का सोचा। फिर एक दिन चींटी को मौका मिल ही गया। हाथी भोजन करके हरी घास पर सो रहा था। चींटी सोते हुए हाथी की सूंड़ में घुस गई और अंदर से उसे काटने लगी। जैसे ही चींटी ने हाथी को काटा, हाथी दर्द के मारे जोर जोर से रोने लगा और मदद के लिए पुकारने लगा। चींटी ने हाथी के रोने की आवाज सुनी और सूंड़ से बाहर निकल आई। हाथी उसे देख कर डर गया और अपने किए की माफी मांगी। जब चींटी को महसूस हुआ कि हाथी को अपनी गलती का अहसास हो गया है, तो उसने हाथी को माफ कर दिया। हाथी अब बिलकुल बदल गया और उसने वादा किया कि अब वो किसी को नहीं सताएगा और दूसरों की मदद करेगा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आपके लिए आज का दिन मध्यम फलदायक रहेगा। मानसिक तनाव बढ़ेगा और आपको कमजोरी महसूस हो सकती है इसलिए बीमार पड़ने की संभावना रहेगी, थोड़ा ध्यान रखें।

वृषभ

आपका दिन शानदार रहेगा। बच्चों के साथ पार्क में घूमने जायेंगे, जहां आपको अच्छा महसूस होगा। परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा।

मिथुन

आज नए कार्यो की शुरुआत कर सकते है, जिसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। आर्थिक स्थिति सामान्य से बेहतर रहेगी। बिजनेस के लिए दिनमान अच्छा रहेगा।

कर्क

आपके लिए आज का दिन मध्यम रूप से फलदायक रहेगा। आज आप खूब जमकर मेहनत करेंगे जिससे आपको अच्छे नतीजे हासिल होंगे। परिवार का सुख मिलेगा।

सिंह

आपका दिन फायदेमंद रहेगा। धन लाभ के नये रास्ते खुले नजर आएंगे। ऑफिस में कोई ऐसा काम आपको मिल सकता है, जिसके लिए आप बहुत दिनों से उत्सुक थे।

कन्या

आज कार्यक्षेत्र में स्थिति अनुकूल रहेगी। प्रगति के रास्ते भी खुलेंगे। अचानक यात्रा के कारण आप आपाधापी और तनाव का शिकार हो सकते हैं।

तुला

आपके लिए आज का दिन मध्यम फलदायक रहेगा। आपके कामों में विलंब हो सकता है जिससे आपको कुछ परेशानियां होंगी। आपके अपने आप को दुख दे सकते हैं।

वृश्चिक

आपका दिन उत्तम रहेगा। कोई ऐसा काम आपके पास आएगा, जिससे आपको धन लाभ हो सकता है। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी।

धनु

लंबे समय बाद शारीरिक और मानसिक शांति का अनुभव होगा। परेशानियों का खात्मा होता आपको देखने को मिल सकता है। पारिवारिक सहयोग आपको प्राप्त होने वाला है।

मकर

आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहेगा। जीवनसाथी से किसी यात्रा पर जाने का विचार करेंगे। यह यात्रा आपके लिए भविष्य के मार्ग खोलेगी।

कुम्भ

आपका दिन फेवरेबल रहेगा। कार्यक्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण फैसला लेने से आपको फायदा होगा। किसी अनुभवी की मदद से आपको धन लाभ की प्राप्ति होगी।

मीन

आज सेहत के प्रति आपको थोड़ा सावधान रहने की जरूरत है। किसी पुराने या आपसे अधिक अनुभवी व्यक्ति की सलाह मांगने के लिए यह एक अच्छा दिन है।

अब जयश्री ने साजिद पर यौन उत्पीड़न का लगाया आरोप

साजिद खान बिग बॉस हाउस में एंट्री लेते ही विवादों में घिर चुके हैं। बिग बॉस में उनकी एंट्री के साथ से ही मीटू विवाद एक बार फिर चर्चा में आ गया है। अहाना कुमरा, मंदाना करीमी के बाद अब मराठी एक्ट्रेस ने साजिद खान को लेकर शॉकिंग खुलासा किया है। एक्ट्रेस जयश्री गायकवाड़ ने साजिद खान पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। जयश्री गायकवाड़ ने वीडियो शेयर किया है। वीडियो में उन्होंने आपबीती सुनाई है। साजिद खान बिग बॉस 16 में नजर आए थे। फिल्म मेकर साजिद खान बिग बॉस से अपने करियर को नई दिशा देने चाहते थे। जब से साजिद खान बिग बॉस में आए हैं उन्हें लेकर नए खुलासे सामने आ रहे हैं। अब जयश्री गायकवाड़ ने साजिद को लेकर बड़ी बात कही है।

वीडियो शेयर करते हुए जयश्री ने कहा- मैं मराठी और हिंदी फिल्मों में एक्टिंग करती हूं। 8 साल पहले कास्टिंग डायरेक्टर मुझे एक पार्टी में लेकर गए थे। वहां पर मुझे साजिद खान से मिलाया। साजिद खान से मिलकर मैं बहुत खुश हुई। उन्होंने मुझसे कहा कि कल आप ऑफिस आओ। मैं एक फिल्म कर रहा हूं,तो आपके लिए कुछ निकले। मैं अकेले गई थी। ऑफिस में वहां टच करने लगा। गंदे-गंदे कमेंट्स पास करने लगा। मुझे बोला तुम बहुत ही खूबसूरत हो। पर मैं तुझे काम क्यों दूं। मैंने बोला इसके बदले क्या चाहते हो सर। मैं एक्टिंग अच्छी करती हूं। साजिद खान ने आगे कहा कि एक्टिंग से काम नहीं चलता है। जो मैं बोलूंगा और जो मैं करुंगा वो करना पड़ेगा। मुझे बहुत गुस्सा आया है। ऐसा लगा कि मैं उधर जाकर मर्डर करूं क्या करूं। मैं वहां से निकल आई।

'मैत्री' को लीड करेंगी श्रेनु पारिख

श्रेनु पारिख कई हिट सीरियल में काम कर चुकी हैं। लेकिन पिछले काफी समय से श्रेनु पारिख छोटे पर्दे से दूर हैं। उनके फैंस के लिए एक अच्छी खबर हैं। एक्ट्रेस जल्द ही मैत्री सीरियल में लीड रोल में नजर आएंगी। आइए जानते हैं मैत्री सीरियल में उनका किरदार कैसा होगा और सीरियल की कहानी क्या होगी। श्रेनु ने कहा, मैं मैत्री जैसे शो का हिस्सा बनकर वास्तव में बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि मेरा किरदार यूनिक और रोमांचक है। मैत्री एक सरल और समझदार लड़की है जो अपने जीवन के हर छोटे से छोटे पल का जश्न मनाना पसंद करती है। स्वभाव से एक महत्वाकांक्षी लड़की, मैत्री और मैं बहुत समान हैं। उसकी यात्रा निश्चित रूप से सभी को बांधे रखेगी।

यह शो प्रयागराज शहर में रहने वाले दो दोस्तों के बीच सच्ची दोस्ती और बचपन के बंधन का प्रतिबिंब है। उनकी माताओं को लगता है कि शादी के बाद भी उनकी दोस्ती बनी रहेगी लेकिन अगर वे घर बसा लेते हैं तो भी दोनों निश्चित रूप से सबसे अच्छे दोस्त होंगे। हालांकि, कहानी में एक ट्विस्ट है। एक्ट्रेस ने कहा- यह शो दो सबसे अच्छे दोस्तों और जीवन में उनकी अस्थिर यात्रा के इर्द-गिर्द घूमता है, जिसने उन्हें एक ऐसे मुकाम पर पहुंचा दिया है जिसकी उन्होंने अपने सपने में भी कल्पना नहीं की थी। दर्शकों के लिए कहानी में कई पेचीदा मोड़ आने वाले हैं, मुझे उम्मीद है कि वे अपने प्यार और समर्थन देंगे। मैत्री जल्द ही जी टीवी पर प्रसारित होगा।

बॉलीवुड | छोटा पर्दा

बॉलीवुड | मन की बात

अनपढ़ लोगों को भी समझ आता है साउथ सिनेमा : अनिल कपूर

अनिल कपूर ने अपने अभिनय से लोगों के दिलों में राज किया है। आज भी उनके फैंस उनके अभिनय की तारीफ करते नहीं थकते हैं। यही नहीं, अनिल कपूर के फैंस नॉर्थ इंडिया से लेकर साउथ इंडस्ट्री तक फैले हुए हैं, जिसकी बड़ी वजह यह है कि अनिल कपूर ने अपने करियर की शुरुआत साउथ इंटस्ट्री से की थी। आज जब बॉलीवुड वर्सेज साउथ की बहस बहुत जोरों से चल रही है। अनिल ने 35 साल पहले 1987 में एक इंटरव्यू में इस मुद्दे पर बात की थी। हाल ही में, अनिल कपूर ने एक डिस्कशन शो में हिस्सा लिया था। यहां साउथ बनाम बॉलीवुड पर चर्चा हुई। साथ ही, यह सवाल भी उठा कि जहां साउथ में एक्टर्स का स्टारडम अब भी बना हुआ है और उन्हें जैसे पूजा जाता है। बॉलीवुड में उस तरह का स्टारडम धीरे-धीरे खत्म हो रहा है। इस सवाल के जवाब में अनिल ने कहा, आपको सच बताऊं तो, मैं इतनी गहराई से नहीं सोचता हूं। इस विषय पर बात करने के लिए मैं सही आदमी नहीं हूं। अनिल के जवाब से वहां मौजूद सभी कलाकार हंस पड़े। इस डिस्कशन के दौरान अनिल ने साउथ बनाम बॉलीवुड के विषय जरूर चुप्पी साध ली, लेकिन 35 साल पहले उन्होंने एक इंटरव्यू में इस मुद्दे पर अपनी राय रखी थी। उन्होंने कहा था, बॉम्बे में ऐसे लोग हैं, जो साउथ की फिल्मों को कमतर समझते हैं, लेकिन एक तरह से आप कह सकते हैं कि साउथ की फिल्मों ने पूरे भारत में लोगों को एंटरटेन किया है। इन्हें भले क्रूड कहा जाता हो, लेकिन वे सबको पसंद आने वाली फिल्में होती हैं। अनिल ने आगे कहा था, लोग भले ही साउथ की फिल्मों का मजाक बनाते हों, लेकिन इनका ऑडियंस बेस बहुत बड़ा होता है। आज जिस तरह साउथ फिल्में देश भर में राज कर रही है, उसकी भविष्यवाणी सी करते हुए अनिल ने कहा था, साउथ की फिल्में इंटेलिजेंट लोग बनाते हैं। वे बेसिक फिल्में बनाते हैं, लेकिन ऐसी फिल्में होती हैं जो देश के अनपढ़ लोगों को भी समझ आती है। इस चर्चा में अनिल कपूर के अलावा आयुष्मान खुराना, राजकुमार राव जैसे कलाकार थे। वहीं, साउथ इंडस्ट्री से ऋषभ शेट्ठी और दुलकर सलमान भी शरीक हुए।

सांप किसी को काटने के बाद पलट क्यों जाता है?

सांप से लोगों को इतना डर लगता है कि अगर वो टीवी में या यू के बंद पिंजड़े में ही दिख जाए तो लोग खौफ खा जाते हैं। सोचिए अगर वही सांप इंसान के ठीक सामने आ जाए तो क्या होगा। सांप के लेकर लोगों में डर इसी वजह से होता है क्योंकि वो किसी को भी अपने दांतों के बलबूत उस सकता है। जहरीले सांप तो इंसान की जान चुटकियों में ले सकते हैं। पर क्या आपने कभी गौर किया है कि सांप काटने के बाद पलट जाता है। कभी आपने सोचने की कोशिश की है कि वो ऐसा क्यों करता है? सोशल मीडिया साइट कोरा पर अक्सर आम लोग सवाल पूछते हैं और आम लोग ही उसका जवाब देते हैं। करीब एक साल पहले किसी ने कोरा पर सवाल किया- सांप किसी को काटने के बाद पलट क्यों जाता है? सवाल तो काफी रोचक है मगर जवाब बहुतों के पास नहीं होता। हालांकि, इस सवाल पर कई लोगों ने जवाब दिया, पर चूंकि कोरा एक सोशल मीडिया साइट है, इसलिए उन दावों के सही होने की हम पुष्टि नहीं कर सकते। डॉ. विजय कुमार ने लिखा-सांप का जहर उसकी विष ग्रन्थि में होता है जो उसके सिर में होती है। पैर में काटते समय उसका जहर पूरी तरह से उस व्यक्ति के शरीर में नहीं पहुंच पाता इसलिए उसे पलटना पड़ता है। वहीं राधे श्याम नाम के शख्स ने लिखा-जहरीले सांप के मुंह में ऊपर वाले तालु में विष की पोटली (ग्रंथी) होती है। इस ग्रंथि का मुंह ऊपर की तरफ होता है इसमें से दो पतली नलियां निकल कर विष दंतों के अंदर से इंजैक्शन की सुई की तरह विष दंतों की नोंक से बाहर खुलती हैं। जब सांप किसी को डसता है तो वह उस जीव के शरीर में अपने विष दंतों को गड़ा देता है। परंतु विष ग्रंथी का मुंह ऊपर की तरफ होने से विष उस व्यक्ति के शरीर में नहीं जा पाता। विष को उड़ेलने के लिए सांप पलट जाता है और जीव के शरीर में जहर छोड़ देता है। मनन कृष्ण नाम के व्यक्ति ने कहा-सांप के दांतों की संरचना ऐसी होती है कि ये आगे से मुड़ा रहता है। यही वजह है कि जब सांप किसी को काटता है तो उसके दांत उसमें फंस जाते हैं। अब सांप के पास न तो हमारी तरह हाथ हैं और न ही हमारे जैसी गर्दन, इसीलिए उसे अपने दांत बाहर निकालने के लिए एक अलग तरह की मूवमेंट करनी पड़ती है, जो हमें उलटने के समान दिखाई देता है।

अजब-गजब | अपराधियों के डर से सीसीटीवी से होती है निगरानी

नालंदा के एक थाने में बंदियों की जगह वाहनों को लगती है हथकड़ी

नालंदा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा के बिहार थाना परिसर में अजीबोगरीब तस्वीर देखने को मिली है। अब तक आपने कैदियों के हाथों में हथकड़ी लगे देखा होगा, लेकिन हैरानी की बात है कि यहां जब्त दोपहिया वाहनों को चेन से बांधकर रखा गया है। दरअसल इस थाने में विभिन्न मामलों में ज़ब्त सैकड़ों दोपहिया वाहन खड़े हैं। खुले में पड़े होने से इनमें से कई जंग लगने से जर्जर हो चुके हैं।

सरकार के द्वारा इसको लेकर समय-समय पर इन वाहनों की कंडीशन के हिसाब से उनकी बोली लगाई जाती है। पुलिस के द्वारा थाना परिसर में खड़ी दोपहिया वाहनों को चोरी के डर से हथकड़ी लगा दिया गया है। एक, दो नहीं बल्कि दर्जनों बाइकों में हथकड़ी के साथ साथ मोटी रस्सी और साइकिल का चेन बंधा हुआ है। थाना परिसर में सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ है जिससे भी इसकी निगरानी की जाती है। थाना परिसर में ज़ब्त कर रखे गये दोपहिया वाहनों की सुरक्षा के लिए उन्हें हथकड़ी और चेन लगाकर रखना समझ से परे है।

बता दें कि, थाना अध्यक्ष वीरेंद्र यादव खुद

थाना में लगे सीसीटीवी फुटेज की निगरानी अपने चैंबर से करते हैं। यही नहीं, थाना आने-जाने वाले पर भी तीसरी आंख से नजर रखी जाती है। इस तरह की तस्वीर का आना कहीं न कहीं पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़ा करता है। इस संबंध में बिहार थाना में तैनात पुलिसकर्मी या अधिकारी कुछ भी बताने से बच रहे हैं। हालांकि, कुछ पुलिसकर्मियों ने बताया कि सुरक्षा के दृष्टिकोण से जब्त दोपहिया वाहनों को रस्सी लगाया (बांधा) गया है।

बता दें कि, ठंड की शुरुआत होते ही चोरों की चांदी हो जाती है। यहां दिन ढलते ही अपराधी सड़कों पर निकल कर लूटपाट, छिनतई जैसी वारदातों को बेखौफ होकर अंजाम देते हैं। तो वहीं, पुलिस अपना पूरा समय अवैध शराब जब्त करने और शराबियों की गिरफ्तारी में जुटी रहती है।

सीएम सुक्खू का भाजपा पर बड़ा आरोप

हिमाचल में जीत के लिए चपरासी बैठाकर खोल दिये गये अस्पताल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

छत्तीसगढ़। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने रविवार को शिमला पहुंचते ही राज्य सचिवालय में पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) को लेकर मैराथन बैठक ली। रविवार के दिन अवकाश होने के बावजूद सुक्खू ने मुख्य सचिव आरडी धीमान, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त प्रबोध सक्सेना और अन्य अधिकारियों को सचिवालय बुलाया। इस मौके पर वित्त विभाग ने ओल्ड पेंशन स्कीम पर लंबी प्रस्तुति दी।

कोविड संक्रमण से ठीक होने के बाद सुखविंद्र सिंह सुक्खू रविवार को एकाएक एक्शन मोड में नजर आए। उनके शिमला पहुंचने से पहले ही रविवार को अवकाश होने के बावजूद मुख्य सचिव और अन्य संबधित अधिकारियों को राज्य सचिवालय बुलाया गया। सुक्खू ने यहां अधिकारियों से पूछा कि कर्मचारियों को ओपीएस देने के लिए किस तरह का प्रारूप बनाया गया है। राजस्थान, छत्तीसगढ़, पंजाब आदि में ओपीएस के तहत किस तरह से पेंशन दी जा रही है। हिमाचल में किस मॉडल को अपनाया जा सकता है। ऐसे तमाम बिंदुओं पर चर्चा की गई।

उन्होंने 28 दिसंबर को सचिवालय में एनपीएस कर्मचारियों के साथ प्रस्तावित बैठक में भी अधिकारियों को ठीक से एजेंडा बनाकर लाने के निर्देश दिए। सुक्खू ने इस मैराथन बैठक में पहली

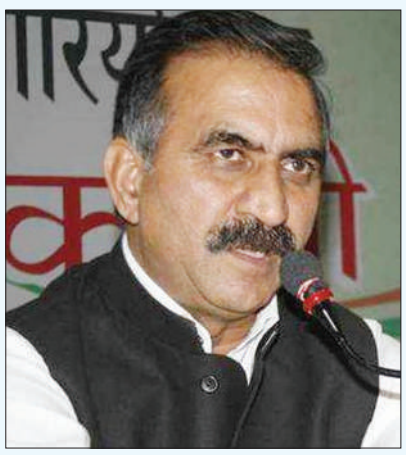

कैबिनेट के लिए एजेंडा तैयार करने के आदेश भी दिए हैं। कैबिनेट के गठन के बाद एकदम से इस बारे में फैसला लिया जाना है। सत्ता में आने से पहले ही कांग्रेस ने इस तरह की गारंटी दी थी।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य की पूर्व भाजपा सरकार ने प्रदेश में मतदाताओं को लुभाने के एकमात्र उद्देश्य के साथ बिना किसी बजट प्रावधान और आवश्यक कर्मचारियों की भर्ती के बिना अपने कार्यकाल के अंत में 590 से अधिक संस्थान खोले थे। उन्होंने कहा कि चपरासी बैठाकर अस्पताल खोल दिए गए और भाजपा ने पूरी तरह से लोगों को गुमराह कर दिया।

पूर्व भाजपा सरकार ने अपने कार्यकाल के अंतिम लगभग छह माह के दौरान मतदाताओं को गुमराह करने के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, राजस्व और अन्य संस्थान खोलने के निर्णय जल्दबाजी में लिए। इन सभी 590 संस्थानों को क्रियाशील बनाने के लिए लगभग 3,000 करोड़ रुपये के बजट प्रावधान की जरूरत है। यह आश्चर्य की बात है कि राज्य 75,000 करोड़ रुपये से अधिक के भारी वित्तीय कर्ज तले दबा हुआ है और डबल इंजन की सरकार होने का दावा करने वाली भाजपा सरकार को अपने कार्यकाल के दौरान केंद्र सरकार से एक पैसे की भी सहायता नहीं मिली।

यह बात सुक्खू ने रविवार को नई दिल्ली से शिमला लौटने के बाद राज्य सचिवालय में मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए कही। सुक्खू ने कहा कि पूर्व भाजपा सरकार ने 30 से अधिक ऐसे स्वास्थ्य संस्थान खोले, जिनमें चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी की भी नियुक्ति नहीं की गई थी। बड़ी संख्या में ऐसे संस्थान भी खोले गए जो मात्र एक कर्मचारी से संचालित किए जा रहे थे। पूर्व भाजपा सरकार की ओर से जो एसडीएम कार्यालय खोले गए, उनमें एसडीएम ही तैनात नहीं किए गए।

अटल के जन्मदिवस पर सीएम योगी ने दिव्यांगजनों को बांटे कृत्रिम उपकरण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब किसी दिव्यांग के पास सहायक उपकरण होते हैं तो वह खुद को पूर्ण मानते हुए सामान्य दिनचर्या की तरह जीवन को बढ़ा सकते हैं। यहां मंच के नीचे मैंने दिव्यांगजनों से संवाद किया और उन्हें कृत्रिम अंग व ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर आदि सहायक उपकरण वितरित किए। विगत 3 वर्ष से अटल जी की स्मृतियों के जरिए आरोग्यता व संपूर्णता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अटल स्वास्थ्य मेले का आगाज किया गया। पहले मेले 7500 से अधिक, दूसरे में 10500 से अधिक और इस बार दो दिन में हजारों लोगों ने भी इस मेले में लाभ लिया। केंद्र-शासन की योजनाओं से जुड़कर वंचित लोग भी लाभान्वित हुए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस पर विकास नगर स्थित मिनी स्टेडियम में आयोजित अटल स्वास्थ्य मेला-3 सेवा ही सरकार में सम्मिलित हुए। दो दिवसीय मेले के समापन पर मुख्यमंत्री दिव्यांग बच्चों से मिले। उन्हें कंबल, ट्राई साइकिल, व्हील चेयर समेत जरूरत के उपकरण वितरित किए। सीएम ने कहा कि पूरा देश लखनऊ के गौरव अटल जी की पावन जयंती पर उनसे जुड़ी स्मृतियों का स्मरण कर श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है। आज देश ने विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति की है। पीएम के नेतृत्व में आजादी का अमृत महोत्सव में भारत लोकतंत्र व विकास के मॉडल के रूप में बढ़ रहा है।

गायत्री प्रजापति पर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोप तय

» गवाही के लिए अदालत ने 12 जनवरी की तारीख लगाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा सरकार में खनन मंत्री रहे गायत्री प्रसाद प्रजापति पर मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में ईडी के विशेष न्यायाधीश ने आरोप तय कर दिए हैं। न्यायाधीश संजय शंकर पांडेय ने इस मामले में गवाही के लिए 12 जनवरी की तारीख तय की है।

आरोप तय किए जाने के दौरान गायत्री प्रजापति ने आरोपों से इनकार किया तथा विचारण की मांग की। ईडी की ओर से अदालत को बताया गया कि सतर्कता अधिष्ठान ने गायत्री प्रजापति के खिलाफ गत वर्ष 26 अक्टूबर 2020 को आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज किया

था। जिसके बाद ईडी ने 14 जनवरी को अपनी जांच की शुरुआत की थी। जिसमें पता चला की गायत्री प्रजापति ने खनन मंत्री रहते करोड़ों की संपत्ति अर्जित की और कई फर्म बनाकर निवेश किया। रिपोर्ट में कहा गया कि आरोपी ने मोहनलालगंज, अमेठी कानपुर, लोनावाला एवं देश के कई हिस्सों में बेनामी संपत्ति बनाई है।

वेणुगोपाल धूत को सीबीआई ने किया गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वीडियोकॉन लोन घोटाले में घिरे ग्रुप के पूर्व सीईओ वेणुगोपाल धूत को सीबीआई ने अरेस्ट कर लिया है। जांच एजेंसी ने यह कार्रवाई वीडियोकॉन ग्रुप को बैंक से नियमों के खिलाफ जाकर लोन देने के मामले में की है। इससे पहले, शुक्रवार शाम को आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व सीईओ और एमडी चंदा कोचर और उनके पति दीपक कोचर की भी गिरफ्तारी हुई थी।

इस मामले में आरोप है कि जब चंदा कोचर बैंक की कमान संभाल रही थीं, तब उन्होंने वीडियोकॉन ग्रुप को लोन दिया था। इसके बदले चंदा के पति दीपक कोचर की कंपनी नू रिन्यूएबल को वीडियोकॉन से निवेश मिला था।

जनार्दन रेड्डी ने बनाई नई पार्टी, 2023 का लड़ेंगे चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

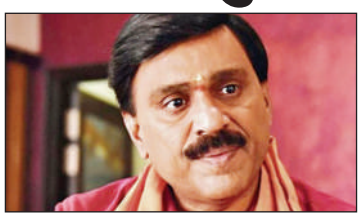

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मंत्री जनार्दन रेड्डी ने रविवार को कल्याण राज्य प्रगति पक्ष नाम से अपनी नई राजनीतिक पार्टी की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने अब बीजेपी से अपना दो दशक पुराना रिश्ता तोड़ लिया है। बता दें कि रेड्डी अवैध खनन के कई मामलों में आरोपी हैं। कर्नाटक की चुनावी राजनीति में फिर से प्रवेश करते हुए, उन्होंने यह भी घोषणा की कि वह कोप्पल जिले के गंगावती से 2023 का विधानसभा चुनाव लड़ेंगे।

रेड्डी ने कहा, बीजेपी नेताओं के यह कहने के बावजूद कि मैं पार्टी का सदस्य नहीं हूं और पार्टी से मेरा कोई संबंध नहीं है, राज्य और इसके लोगों का मानना था कि मैं उस पार्टी से हूं, यह धारणा अब जाकर गलत साबित हुई है। आज मैं मेरी अपनी सोच के साथ कल्याण राज्य प्रगति पक्ष की घोषणा कर रहा हूं, जो धर्म और जाति के नाम पर विभाजनकारी राजनीति का साथ नहीं देगी। आने वाले दिनों में मैं पार्टी को व्यवस्थित करने और लोगों के साथ अपने विचार साझा करने के लिए राज्य भर में यात्रा करूंगा। मैं अपने जीवन में अब तक अपनी किसी भी काम में कभी असफल नहीं हुआ। यहां तक कि बचपन में कंचे खेलने के दिनों से, मैं उनमें से हूं जिसने कभी हार नहीं मानी।

दिल्ली में ठंड ने आठ सालों का रिकार्ड तोड़ा

» आज राजधानी का न्यूनतम तापमान 5 डिग्री पर पहुंचा, रविवार रहा कोल्ड डे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। लोग ठंड से बचने के लिए अलाव जलाने को मजबूर हैं। शीतलहर को देखते हुए दिल्ली में मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। कड़ाके की सर्दी के मामले में दिल्ली में पिछले 8 सालों का रिकॉर्ड टूट गया है। वहीं यूपी, राजस्थान, पंजाब समेत देश के अन्य कई राज्यों में भी शीतलहर का यही हाल है।

राजधानी दिल्ली में 8 साल बाद क्रिसमस पर इतनी ठंड पड़ी। रविवार को सफदरजंग में अधिकतम तापमान 16.2 डिग्री

सेल्सियस तक गिर गया। पिछली बार 2014 में क्रिसमस के दिन तापमान 16 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा था। मौसम विभाग ने दिल्ली में कोल्ड डे घोषित किया। रविवार को अधिकतम तामपान 16.2 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य से 5 डिग्री कम है। वहीं न्यूनतम तापमान 5.3 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य से 3 डिग्री कम रहा। सोमवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान सिर्फ 5 डिग्री है।

ठंड के साथ कोहरे की मार

उत्तर भारत में एक ओर जहां कड़ाके की ठंड पड़ रही है, तो वहीं कोहरा भी देखने को मिल रहा है। आईएमडी के अनुसार, रविवार को विजिबिलिटी में थोड़ा सुधार हुआ, लेकिन दिल्ली में सोमवार को फिर से कोहरा रह। वहीं 27 दिसंबर से इसमें सुधार देखने को मिल सकता है। इसके अलावा पंजाब, हरियाणा और उत्तरी राजस्थान में 27 दिसंबर तक घना कोहरा छाए रहने और उसके बाद धीरे-धीरे कम होने की संभावना है।

प्रदूषण से साल के बचे हुए दिन राहत

प्रदूषण के लिहाज से साल के बचे हुए दिन अच्छे रहने वाले हैं। सीपीसीबी के अनुसार रविवार को भी राजधानी का प्रदूषण स्तर बेहद खराब ही रहा। आठ बजे एक्यूआई 291 दर्ज हुआ। इसके बाद दोपहर दो तीन बजे तक 303 के स्तर पर पहुंच गया। लेकिन अब प्रदूषण कम होगा। साल के बचे हुए दिनों में प्रदूषण के कम रहने की संभावना जताई गई है। यहां तक कि यह सामान्य स्तर पर भी जा सकता है। यदि ऐसा हुआ तो यह दिसंबर एक्यूआई सिस्टम आने के बाद सबसे अधिक सामान्य दिन वाला दिसंबर बन सकता है। इस बार अक्टूबर व नवंबर में भी प्रदूषण से राहत दर्ज की गई थी। ऐसे में 2022 प्रदूषण के लिहाज से राहत भरा रहा है।

दलगत राजनीति छोड़ वाजपेयी की समाधि पर पहुंचे राहुल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दलगत भावना से ऊपर उठकर नई परंपरा का आगाज कर दिया। उन्होंने बीजेपी के दिग्गज नेता रहे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के समाधि स्थल पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। राहुल ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के साथ-साथ कई पूर्व प्रधानमंत्रियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। 108 दिनों की भारत जोड़ो यात्रा की पहली ब्रेक के बाद राहुल ने प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी के समाधी स्थलों पर पहुंचे और उन पर फूल चढ़ाकर महापुरुषों को नमन किया।

राहुल गांधी ने सबसे पहले अपने पिता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की समाधि वीर भूमि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने इंदिरा गांधी की समाधि शक्ति स्थल, नेहरू की समाधि शांति वन, लाल बहादुर की समाधि विजय घाट, महात्मा गांधी की समाधि राजघाट और वाजपेयी की समाधि सदैव अटल जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

गांधी परिवार से वाजपेयी की समाधि पर पहुंचने वाले पहले सदस्य

गांधी परिवार का कोई सदस्य या कांग्रेस का कोई शीर्ष नेता पहली बार वाजपेयी की समाधि पर पहुंचा। वाजपेयी की 25 दिसंबर को जयंती थी। कांग्रेस की ओर से बताया गया कि पहले राहुल गांधी का शनिवार शाम ही इन नेताओं की समाधियों पर जाने का कार्यक्रम था, लेकिन शनिवार शाम पदयात्रा के पूरा होने में समय लग जाने के कारण इस कार्यक्रम में बदलाव किया गया। भारत जोड़ो यात्रा में करीब 3,000 किलोमीटर की दूरी तय करके दिल्ली पहुंचने के बाद राहुल गांधी ने इन प्रमुख नेताओं की समाधियों पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

फिर सीबीआई के निशाने पर आये लालू, गरमायेगी बिहार की सियासत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने लालू प्रसाद यादव के खिलाफ भ्रष्टाचार मामले में फिर से जांच शुरू कर दी है। यह मामला रेलवे प्रोजेक्ट में भ्रष्टाचार से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। वहीं, सीबीआई की इस कार्रवाई से राष्ट्रीय जनता दल के नेता भारतीय जनता पार्टी पर हमलावर गए हैं। जिससे बिहार का सियासी पारा चढ़ गया है।

बिहार के उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा है कि अगर उनके पिताजी बीजेपी से हाथ मिला लेते तो ऐसी कार्रवाई नहीं होती। तेजस्वी ने ट्वीट किया, 'अगर लालू जी बीजेपी से हाथ मिला लेते तो वो आज हिंदुस्तान के राजा हरीशचंद्र होते। तथाकथित चारा घोटाला दो मिनट में भाईचारा घोटाला हो जाता।'

सीबीआई ने साल 2018 में रेलवे प्रोजेक्ट के आवंटन में भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच शुरू की थी। लेकिन, तीन साल बाद साल 2021 में जांच बंद कर दी गई थी। आरोपियों में तेजस्वी यादव और लालू की बेटियां चंदा यादव और रागिनी यादव का नाम भी शामिल है। बता दें कि हाल ही में बिहार की राजनीति में काफी उलटफेर देखने को मिला है। जेडीयू नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बीजेपी से नाता तोड़कर राजद के साथ गठबंधन कर लिया है। आरजेडी नेता सीबीआई की कार्रवाई को बदले की कार्रवाई मान रहे हैं।

फोटो :4 पीएम

शपथ रामपुर से भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक आकाश सक्सेना को अपने कार्यालय में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाते विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना।

वित्त मंत्री निर्मला की तबियत बिगड़ी एम्स में भर्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की तबीयत अचानक बिगड़ने की बात सामने आई है। सूत्रों के अनुसार वित्त मंत्री को इसके चलते दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि, वित्त मंत्रालय ने इसको लेकर कोई जवाब नहीं दिया है। वित्त मंत्री को क्या परेशानी आई इसकी जानकारी अभी नहीं मिली है। कोई भी जिम्मेदार अभी मसले पर कुछ बोलने को तैयार नहीं है। निर्मला सीतारमण को निर्जी वार्ड में भर्ती किया गया है। निर्मला सीतारमण मोदी सरकार-1 में रक्षामंत्री रहीं थीं, मोदी-2 में वित्तमंत्री का महत्वपूर्ण पद संभाले हुए हैं। वह मूलत: दक्षिण भारत की रहने वाली हैं।

सरकार जानबूझकर निकाय चुनाव में कर रही देरी : अखिलेश यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इटावा। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने निकाय चुनाव में देरी के लिए भाजपा सरकार पर आरोप लगाया है। अखिलेश ने कहा कि सरकार जानबूझकर निकाय चुनाव को आगे ले जाना चाह रही है। 27 दिसंबर को हाई कोर्ट में मामले में फैसला आना है। मुझे विश्वास है कि न्यायपालिका से न्याय मिलेगा। अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार कहती है कि आरक्षण में भेदभाव नहीं किया गया है। मगर, भाजपा और उनके अधिकारियों ने कुछ मंत्रियों को खुश करने के लिए आरक्षण किया।

सपा प्रमुख ने कहा कि जो चुनाव नहीं चाहते वह खुद ही चुनाव से भाग रहे हैं। भाजपा ने नगर निगमों व नगर पालिकाओं में भी कोई काम नहीं किया। डेंगू जब फैला वहीं फैला जहां भाजपा के मेयर थे या फिर उनके नगर पालिका अध्यक्ष थे, वहीं पर लोग मरे। मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री की मुलाकात के सवाल पर कहा कि उन्हें चिंता है कि कहीं वह यूपी न हार जाएं। बोले, इटावा में जितना काम समाजवादियों व नेताजी ने किया उतना भाजपा नहीं कर पाई।

पसमांदा समाज के नेताओं से मिले

लखनऊ। यूपी में आगामी चुनावों से पहले सियासी दलों ने वोटबैंक के लिए समीकरण बनाना शुरू कर दिए है। भारतीय जनता पार्टी के बाद अब अखिलेश यादव भी पसमांदा समाज पर डोरे डालने की कोशिश में जुटे हैं। इसी सिलसिले में अखिलेश यादव ने लखनऊ में पसमांदा समाज के लोगों से मुलाकात की जिस पर अब सियासत भी गरमा गई है। पसमांदा समाज के लोगों से अखिलेश की मुलाकात पर भाजपा ने कटाक्ष किया है। राज्यमंत्री दानिश अंसारी का दावा है कि भाजपा को पसमांदा समाज का साथ मिलने की वजह ये सिर्फ सपा की घबराहट है।

भाजपा नेत्रियों में जूतम पैजार, कुर्सी के लिए चले थप्पड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। पन्ना जिले में भाजपा की दो महिला नेत्रियां मंच पर ही भिड़ गई। बैठने के लिए कुर्सी की लड़ाई इतनी बढ़ी कि प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य चंद्रप्रभा तिवारी ने महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष नीलम चौधरी को थप्पड़ जड़ दिया। अब कांग्रेस इस मसले पर सवाल उठा रही है। वायरल वीडियो कुछ दिन पुराना है। पन्ना जिले में वॉलीबॉल नेशनल चैम्पियनशिप चल रही थी। इस दौरान भाजपा के कई बड़े नेता और महिला नेत्रियां मंच पर मौजूद थी। इस बीच भाजपा की दो महिला नेत्रियों के बीच थप्पड़बाजी हो गई। यह घटना मोबाइल के कैमरे में कैद हो गई और अब वीडियो वायरल हो गया। कांग्रेस की जिलाध्यक्ष शारदा पाठक ने कहा कि मंच पर भाजपा नेताओं के सामने जिस तरह नेत्रियां आपस में लड़ रही हैं, यह दिखाता है कि बीजेपी के अंदर अंतर्कलह किस कदर चल रही है। यह बेहद शर्मनाक है।

फोटो: सुमित कुमार

क्रिसमस राजधानी के हजरतगंज स्थित कैथेड्रल चर्च में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। उन्होंने प्रभु ईशु के द्वार पर कैंडल जलाकर मन्नतें मांगी।

'भारत जोड़ो यात्रा' की स्टालिन ने की सराहना

चुनावी नहीं, देश में हो विचारों की राजनीति

गांधी-नेहरू के विचारों से आगे बढ़ेंगे हम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में पार्टी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि उनके भाषणों ने देश की राजनीति में खलबली मचा दी है। देश के पहले प्रधानमंत्री दिवंगत जवाहरलाल नेहरू की प्रशंसा करते हुए स्टालिन ने कहा कि देश को धर्मनिरपेक्षता और समानता जैसे मूल्यों को बनाए रखने के लिए उनके और महात्मा गांधी जैसे नेताओं की जरूरत है।

स्टालिन ने कहा कि राहुल के भाषणों से देश में खलबली मच रही है। वह चुनावी राजनीति या दलगत राजनीति नहीं बल्कि विचारधारा की राजनीति कर रहे हैं और इसीलिए कुछ लोगों द्वारा उनका पुरजोर विरोध किया जा रहा है। उनकी बातें कभी-कभी नेहरू जैसी होती हैं। नेहरू के उत्तराधिकारी ऐसी बात न करें तो ही आश्चर्य होगा। स्टालिन ने कहा कि गोडसे के वंशज महात्मा गांधी और नेहरू के उत्तराधिकारियों की बातचीत से केवल कड़वाहट महसूस करेंगे।

केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए सीएम ने कहा कि आज भले ही महत्वपूर्ण मुद्दों पर संसद में चर्चा नहीं होने दी जा रही है, लेकिन नेहरू ने विरोधी विचारों को बढ़ावा दिया था।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।